गगन सो सुमन राशि बरसे, बाजे मोरचंग मधुर मृदंग ग्वालिन संग अतुल रात्रि गोप कुमारी की, Bhajans Bhakti Songs

गगन सो सुमन राशि बरसे,
बाजे मोरचंग मधुर मृदंग ग्वालिन संग अतुल रात्रि गोप कुमारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की,
आरती कुंजबिहारी की श्री गिरिधर गिरिधर कृष्ण मुरारी की,जहां ते प्रगट भई
गंगा कलुष कली हरिनी श्री गंगा,
स्मरण ते होत मोह बहनगा,
बसी शिव शिष जटा के बीच हरइ अघ कीच चरण,
छवि श्री बनवारी की श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की,
चमकती उज्जवल तत रेनू बज रही वृंदावन बेनु,
चाहू दीसी गोपी ग्वाल धेनू हसत मृदु मंद चंदानी,
चंद्र कटक भाव फंड तेरे सुन दीन भिखारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की, आरती कुंजबिहारी की श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की
आरती कुंजबिहारी की श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की
आरती कुंजबिहारी की श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की

Source: https://www.bharattemples.com/gagan-so-suman-raashi-barase/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw